सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-217
10/05/2017

मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्मृति पार्क में भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की

पटना, 10 मई 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज भगवान बुद्ध की 2561वीं जयंती के अवसर पर बुद्ध स्मृति पार्क में आयोजित विशेष कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की।

मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्मृति पार्क में भगवान बुद्ध, बोधि वृक्ष एवं आनंद बोधि वृक्ष की पूजा अर्चना की। बौद्ध भिक्षु बौद्धानंद भंते ने मुख्यमंत्री को पूजा अर्चना कराई।

मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्मृति पार्क स्थित पाटलिपुत्र करूणा स्तूप में भगवान बुद्ध के पवित्र अस्थि के सामने भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना की। उन्होंने बौद्ध भिक्षुओं के साथ बैठकर विश्व शांति के लिए मंगल कामना की तथा राज्य एवं देश के सुख, समृद्धि एवं अमन–चैन की कामना की।

मुख्यमंत्री ने विपश्यना केन्द्र में भी जाकर साधना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहॉ उपस्थित सभी लोगों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामना देता हूँ। पिछले वर्ष भी आज ही के दिन विपश्यना का आयोजन किया गया था। यह पूर्व में ही निर्णय लिया गया था कि बुद्ध स्मृति पार्क में विपश्यना का केन्द्र होगा। साधना के लिए इस स्थल का निर्माण कराया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध की 2550वीं जयती के अवसर पर बुद्ध स्मृति पार्क के निर्माण का निर्णय लिया गया था। उस समय विपश्यना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। बाद में विपश्यना के बारे में जानकारी मिली, इसके लिए बुद्ध स्मृति पार्क से बेहतर स्थल नहीं हो सकता है। यहॉ पर भगवान बुद्ध की स्मृति में एक संग्रहालय का भी निर्माण किया गया है। बुद्ध स्मृति पार्क स्थित पाटलीपुत्र करूणा स्तुप में 06 देशों से प्राप्त अवशेष रखे गये है। पार्क में भगवान बुद्ध के प्रतिमा का भी प्रतिस्थापन किया गया है। उन्होंने कहा कि यहॉ पर पूर्व में बोधगया का बोधि वृक्ष तथा श्रीलंका के अनुराधापूरम से लाया गया बोधि वृक्ष लगाया गया था। उन्होंने कहा कि इस वर्ष परम पावन दलाई लामा जी का आगमन कालचक्र पूजा के सिलसिले में हुआ। उसी वक्त श्रावस्ती से लाई गई आनंद बोधि वृक्ष का भी रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष विपश्यना का संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। आयोजन में मिली पुस्तकों के अध्ययन के दौरान उनमें श्रावस्ती के आनंदबोधि वृक्ष का उल्लेख मिला। भगवान बुद्ध ने श्रावस्ती में 24 वर्षो तक वर्षावास किये थे, यहॉ पर जब भगवान बुद्ध चार महीने के प्रवास के बाद चले जाते थे तो लोगों को काफी दुख होता था, इसके लिए श्रावस्ती में आनंदबोधि वृक्ष का रोपण किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह स्थल विपश्यना के लिए उपयुक्त है। राज्य सरकार के तरफ से विपश्यना को ध्यान में रखते हुये इसके अंदरूनी हिस्से को बनाने की कोशिश की गई है। आज अधिकारियों द्वारा मुझे यह जानकारी दी गई कि कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा और अभिलाषा है कि यहॉ विपश्यना का नियमित केन्द्र काम करें। जो भी इच्छुक हो, जो विपश्यना के नियमानुसार साधना करना चाहते है, वो यहॉ आकर साधना कर सके, उन्हें इससे अवश्य लाभ मिलेगा, इससे ना सिर्फ उनका ही मंगल होगा बल्कि इसका प्रभाव समाज पर भी पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूँ कि सभी क्षेत्रों से

इच्छुक लोग निकलकर यहॉ आये और विपश्यना सिखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपश्यना विलुप्त हो गई थी। उसको श्रद्धेय गोयंका साहब ने वापस लाया। पुस्तकों में यह लिखा हुआ है कि विपश्यना 2500 वर्ष बाद वापस आयेगा तथा उसकी पूरी दुनिया में प्रचार प्रसार होगा। यह काम यहॉ से शुरू हो, यही मेरी कामना है और मैं उम्मीद करता हूॅ कि नियमित विपश्यना केन्द्र यहॉ यथाशीघ्र प्रारंभ होगा और लोग उसका जरूर लाभ उठायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष की तरह आज फिर वर्षापात हुआ है, यह शुभ लक्ष्ण है। पत्रकारों से बातचीत करते हुये मुख्यमंत्री ने बुद्ध पूर्णिमा के इस पावन पवित्र अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी।

इस अवसर पर आज बुद्ध स्मृति पार्क में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 07 निश्चय कृति–प्रतिकृति का भी अनावरण किया। साथ ही इस अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े घटनाक्रम से संबंधित प्रतीक चिन्ह् मुख्यमंत्री को भेंट की गई। मुख्यमंत्री ने विपश्यना केन्द्र का भी भ्रमण किया।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री श्री महेश्वर हजारी, विधायक श्री श्याम रजक, प्रधान सचिव नगर विकास श्री चैतन्य प्रसाद, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, बौद्ध भिक्षु बौद्धानन्द भंते, बी0टी0एम0सी0 से आये हुये बौद्ध भिक्षुगण, नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव श्री छोटू सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******